वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद

प्रेस विज्ञप्ति

सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी), देहरादून

ग्रामीण विकास के लिए एस एंड टी नवाचारों के लिए सीएसआईआर अवॉर्ड-2016 वर्ष का विजेता

नई दिल्ली २६ सितमबर २०१६ ग्रामीण विकास के लिए एस एंड टी नवाचारों के लिए सीएसआईआर अवॉर्ड-2016 वर्ष के लिए सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी), देहरादून को इको-फ्रेंडली और कुशल गुड़ भट्टी संयंत्र के विकास और व्यापक लोकप्रियता के लिए प्रदान किया जाता है।

ग्रामीण भारत में, गुड़ बनाना प्रमुख उद्योगों में से एक है। यह एक पारंपरिक उद्योग है जो कि भारी प्रदूषण, कम उत्पादकता फलस्वरूप कम लाभप्रदता के कारण जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। देश में उत्पादित कुल गन्ना का लगभग 25% गुड़ में परिवर्तित हो जाता है। पारंपरिक गुड़ संयंत्र और प्रक्रिया कम लाभदायक होने के कारण, व्यापार संचालन को मुश्किल बनाती है और इसीलिए ग्रामीण इलाकों में कई इकाइयां बंद हो रही हैं। इसके अलावा, पारंपरिक संयंत्र के प्रारंभिक फायरिंग और संचालन के दौरान कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) धूम्रपान के स्तर सुरक्षित सीमा से काफी अधिक हो जाते हैं।

सीएसआईआर-आईआईपी ने परंपरागत गुड़ उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल गुड़ भट्टी को विकसित किया है। कम लागत वाली तकनीकों द्वारा इस बेहतर संयंत्र ने तापीय दक्षता में सुधार किया और प्रदूषण उत्सर्जन को कम किया । सीएसआईआर-आईआईपी संयंत्र 25% ईंधन बचाता है और उत्पादन में 15% की वृद्धि करता है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च लाभप्रदता होती है। बेहतर संयंत्र की अतिरिक्त लागत नाममात्र है और एक वर्ष की अवधि में वसूल की जा सकती है।

सीएसआईआर-आईआईपी ने बेहतर गुड़ संयंत्र को व्यापक रूप से लोकप्रिय करने का काम भी किया है, तथा साइटों पर जीवंत प्रदर्शन द्वारा किसानों और ग्रामीण लोगों को प्रेरित किया । इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में 40 से अधिक संयंत्र इकाइयां स्थापित हो चुकी है ।

सीएसआईआर ग्रामीण भाइयों के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान के लिए सीएसआईआर-आईआईपी की सराहना और सम्मान करता है।